

वकील वादी ने मास्य अथवा लेखक
करवाये। शाहिल पत्रावली होवे। पत्रावली
वाले अथवा दि. 30.7.24 को पेश होवे।

२

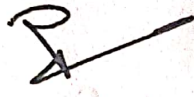
30.07.2024

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित।
बिदलीदार सीमलवाड़ा ने अपने जवाब
में बताया है कि वादग्रस्त भूमि में
हित रखने वाले सभी सदस्यों
को पक्षकार नहीं बताया है तथा न
ही शेष सदस्यों से सहमति ली
है। वकील वादी ने बयान के अन्त पर
आदेश 1 नियम 10 का प्रा.पत्र पेश
किया है। वाद में सुनवाई पूरी हो
चुकी है। इस अन्त पर प्रा.पत्र प्रस्तुत
किया गया है। ऐसी स्थिति में प्रा.पत्र
अर्जीकार किया जाता है। सभी पक्षकारों
को बिना तलब किये एवं बिना सुने
निर्णय किया जाना उचित नहीं है।

२

उपखण्ड अधिकारी
सीमलवाड़ा

अतः सभी सह खातेदारों/हितधारियों को पक्षकार नहीं बनाये जाने से वाद खारिज किया जाता है। पत्रावली फॉरमल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल पत्र होवे।



S.D.O

उपखण्ड अधिकारी
सीमलवाडा